C M Y K

Web: www.uttaranchaldeep.com

Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक

उत्तरांचल दीप

सबके हाथ सच के साथ

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में बुधवार
सायं 7:05 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सुबह 5:39 बजे

हल्द्वानी | वर्ष 18 अंक 49 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | बुधवार, 6 अगस्त 2025

महज 33 की उम्र में वॉकिंग डेड...पेज-3 पर

लापता 70 लोगों की तलाश में राहत-बचाव कार्य जारी

खीरगंगा के रौद्र रूप से धराली धराशाई

34 सेकंड की तबाही में सेना का कैंप भी बहा

10 जवानों समेत 50 से ज्यादा लापता हैं तबाही में

देहरादून
हमारे संवाददाता

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली गांव में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। ऊंचाई वाले इलाके में बादल फटा, जिससे खीरगंगा नदी में सैलाब आ गया। चार लोगों की मौत हुई है और 70 लोग लापता बताए जा रहे हैं। आज सुबह से राहत-बचाव कार्य जारी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी धराली बाजार, हर्षिल और आसपास के क्षेत्रों में आपदा से हुई क्षति का निरीक्षण करने के लिए सहस्त्रधारा हेलीपैड से निकल गए हैं।

उत्तरकाशी धराली हर्षिल में बादल फटने से आई आपदा के बाद से राहत और बचाव कार्य आज बुधवार सुबह से फिर शुरू किया गया है। प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, आर्मी सहित सभी दल राहत बचाव कार्यों में लगे। आपदा कंट्रोल रूम से भी स्थिति की निरंतर निगरानी की जा रही है।

उत्तरकाशी जिले के धराली गांव के ऊपर खीरगंगा में मंगलवार दोपहर बादल फटने से खीरगंगा नदी में अचानक सैलाब आ गया। मलबे और पानी का बहाव इतना तेज था कि इसकी चपेट में आने से धराली का मुख्य बाजार पूरी तरह तबाह हो गया। इस आपदा में

धराली का प्रसिद्ध कल्प केदार मंदिर भी पूरी तरह से मलबे में बह गया है। प्रशासन ने अभी तक चार लोगों के मरने की पुष्टि की है, जबकि 70 लोग लापता बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 1:50 बजे गांव के ऊपर बादल फटा। इसके बाद महज 20 सेकंड के भीतर खीरगंगा नदी का पानी और मलबा मुख्य बाजार की ओर मुड़ गया।

लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर दौड़ रहे थे, लेकिन इससे पहले कि वह सुरक्षित जगह पर जा पाते सैलाब ने सब कुछ तबाह कर दिया। वहां मौजूद कई होटल, रिसॉर्ट, दुकानें, घर और सेब के बगीचे जमींदोज हो गए। वहां चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते पूरा बाजार मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया और एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना और पुलिस की टीमें मौके पर भेजी गईं। बचाव दल ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है और होटल में फंसे कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

पीएम मोदी ने की सीएम धामी से फोन पर बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की और उत्तराखंड जिले के धराली क्षेत्र में हाल ही में आई आपदा और राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। सीएम धामी ने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार पूरी तत्परता से राहत एवं बचाव कार्यों में लगी हुई है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में कठिनाइयां आ रही हैं, लेकिन सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ काम कर रही हैं ताकि प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

रास्ता बना रहे जवान, सीएम ने किया हवाई सर्वेक्षण

देहरादून
हमारे संवाददाता

आईटीबीपी और आर्मी के जवान धराली में बीच गांव में फंसे ग्रामीणों तक पहुंचने के लिए वहां करीब 25 फीट ऊंचे मलबे में रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अस्थाई पुलिया बनाने का प्रयास किया जा रहा है। गांव में करीब 200 लोग भी फंसे है।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा, भारतीय सेना, आईटीबीपी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और स्थानीय लोगों सहित हमारी सभी एजेंसियां बचाव कार्य कर रही हैं। कल 130 लोगों को बचाया गया। तलाशी और बचाव अभियान जारी है। सड़कें और एक पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण घटनास्थल तक पहुंचना

मुश्किल हो गया है। देहरादून में आपदा संचालन स्टेशन हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए 24 घंटे काम कर रहा है। हम सभी को सुरक्षित बचाने के प्रयास कर रहे हैं। मैं हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 10 डीएसपी, 3 एसपी और लगभग 160 पुलिस अधिकारी बचाव अभियान में लगे हुए हैं... भारतीय सेना के हेलीकॉप्टर भी तैयार हैं। जैसे ही मौसम में सुधार होगा, हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल बचाव कार्यों के लिए किया जाएगा। खाने के पैकेट और डॉक्टरों की एक टीम तैयार कर ली गई है। बिजली बहाल करने का काम भी चल रहा है। धराली में अभी मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं है। हम लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

मासूम की हत्या मामले में पुलिस के हाथ खाली

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

गौलापार क्षेत्र में हुई मासूम की हत्या मामले में पुलिस के हाथ 24 घंटे बाद भी खाली ही हैं। अब तक न तो कोई आरोपी गिरफ्तार नहीं हो सका है और न ही उसके अंग बरामद हुए है पुलिस मामले की जांच में लकीर की फकीर बनी हुई है।

इसी कारण आक्रोशित लोगों ने आज काठगोदाम पुलिस चौकी का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को घटना का खुलासा करने के लिए शाम चार बजे तक का अल्टीमेटम दिया है। स्थानीय लोग इस घटना से गहरे सदमे और भय में हैं और उन्होंने पुलिस प्रशासन से शीघ्र और सख्त कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि गौलापार के पश्चिम खेड़ा गांव में 10 वर्षीय मासूम अमित मौर्या की निर्मम हत्या हुई है। अमित सोमवार दोपहर से लापता था और मंगलवार सुबह उसका शव गांव के ही एक घर के पीछे बगीचे में दफन मिला। शव का सिर और दाहिना हाथ गायब था, जिससे हत्या के पीछे तंत्र क्रिया की आशंका जताई जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि अमित को आखिरी बार

गांव के ही एक युवक के साथ देखा गया था। सीसीटीवी फुटेज में भी अमित को उसी युवक के पीछे जाते हुए देखा गया। अमित के लापता होने के बाद जब परिजन पुलिस के पास पहुंचे तो उन्होंने जांच शुरू की। आरोपी युवक ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन घर के पास खून के निशान और अमित की चप्पल मिलने से पुलिस को संदेह हुआ। रात में आरोपी के घर की तलाशी में खून से सने कपड़े बरामद हुए। पुलिस ने डॉग स्क्वॉड और खुदाई कर शव बरामद किया। इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में एक आरोपी ने कबूल किया कि उसने शव का सिर और हाथ एक तालाब में फेंक दिया है। पुलिस तालाब की तलाशी ले रही है। पुलिस मामले की गंभीरता को समझते हुए हर पहलू से जांच कर रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास तेज कर दिया गया है।

NEWS / फटाफट

एक महिला दूधमुंहे बच्चे के साथ रहस्यमय परिस्थितियों में लापता

रुद्रपुर। सुभाष कॉलोनी क्षेत्र से एक 23 वर्षीय महिला अपने दूधमुंहे बच्चे के साथ रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस ने परिजनों की सूचना पर महिला की गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। बाजार पुलिस चौकी क्षेत्र सुभाष कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने चौकी में दी। तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री अपने छोटे बच्चे के साथ 13 जनवरी 2025 से उनके साथ रह रही थी। उसके समधी रामबाबू और दामाद गर्जेद उनके घर छोड़कर गए थे। परिजनों के मुताबिक 26 जनवरी की शाम करीब 5 बजे पुत्री मोहल्ले की एक दुकान तक जाने की बात कहकर घर से बाहर कदम रखा,लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं लौटी। बताया जा कि परिजनों ने देर शाम तक इंतजार किया और फिर खुद उसकी तलाश शुरू कर दी थी। उन्होंने रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों से भी संपर्क किया, लेकिन कहीं से भी कोई जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों ने आशंका जताई है कि उसके साथ कोई अनहोनी हो सकती है। बाजार पुलिस चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार खत्री ने बताया कि महिला को उसके परिवार के लोग तलाश में लगे रहे। नहीं मिलने पर पुलिस को गुमशुदगी दर्ज करने के लिए पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। जांच की जा रही है।

मूसलधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त

हल्द्वानी। बारिश का कहर जारी है लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्रों में जारी तेज बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। ऐसे में प्रशासन लोगो मुनादी कर अलाड कर रहा है। बुधवार को चोरगलिया गौलापार का शेर नाला उफान पर आ गया, जिससे क्षेत्र में यातायात पूरी तरह बंद कर दिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर सभी प्रकार के वाहनों को चौकी कुंवरपुर और थाना चोरगलिया गेट से डायवर्ट किया गया है। पुलिस प्रशासन वैकल्पिक मार्गों से यातायात संचालन में जुटा है, साथ ही यात्रियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही प्रयोग करें। ओर अपने स्थानों पर सुरक्षित पहुंचे।

विवाह पंजीकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन

हल्द्वानी। नगर निगम काठगोदाम द्वारा समान नागरिक संहिता यू सी सी के अंतर्गत विवाह पंजीकरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन नगर निगम परिसर में किया गया। इस शिविर में निगम के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर विवाह पंजीकरण कराए। नगर आयुक्त श्रीमती ऋचा सिंह ने स्वयं पंजीकरण कर उपस्थित अधिकारियों को विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र भी वितरित किए। अब तक नगर निगम क्षेत्र में लगभग 8500 विवाह पंजीकरण संपन्न हो चुके हैं। पूर्व में नगर निगम के सभी 60 वार्डों में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। आगामी 7 अगस्त से 13 अगस्त 2025 तक पुन: प्रत्येक वार्ड में निशुल्क विवाह पंजीकरण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। विशेष अपील मुख्यमंत्री द्वारा विवाह पंजीकरण की शुल्क माफ कर इसे पूर्णत: निःशुल्क कर दिया गया है। नगर निगम सभी नागरिकों से अनुरोध करता है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक संख्या में विवाह पंजीकरण कराएं और सरकारी सुविधा का लाभ लें।

एसएसपी मीणा के मार्गदर्शन में थाना दिवस का आयोजन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

एसएसपी प्रहलाद मीणा के मार्गदर्शन में नैनीताल पुलिस द्वारा थाना हल्द्वानी, मुखानी, काठगोदाम, चोरगलिया, कालाढूंगी , बनभूलपुरा , लालकुआँ, रामनगर तथा भवाली में थाना दिवस का आयोजन किया गया। थाना दिवस के अवसर पर प्रकाश चंद्र एसपी सिटी द्वारा कोतवाली हल्द्वानी में नितिन लोहनी सीओ द्वारा थाना मुखानी में, एवं दीपशिखा अग्रवाल सीओ लालकुआं* द्वारा कोतवाली लालकुआं में एवं प्रमोद कुमार साह सीओ भवाली द्वारा भवाली में उपस्थित रहकर थाना प्रभारियों के साथ मिलकर प्रतिभाग किया गया और अन्य थाना प्रभारियों द्वारा भी अपनेङ्कअपने थानों में जनता की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान किया गया एवं महत्वपूर्ण सुझावों को जाना। जनपद के उपरोक्त थानों में आयोजित थाना दिवस के दौरान जनता/आगंतुकों से कुल 36 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 21 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों पर विधिवत कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही स्थानीय लोगों ने कानून एवं यातायात व्यवस्था को सशक्त बनाए जाने हेतु अपनेङ्कअपने सुझाव भी दिए गए। नैनीताल पुलिस द्वारा जनता से प्राप्त बेहतर सुझावों को क्रियान्वित कर सकारात्मक परिणाम हासिल करने के सार्थक प्रयास किए जाएंगे।

लगातार बारिश से नैनीझील और नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

चार दिन हो रही तेज बारिश के चलते जिले की नदियों और नालों का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। रेड अलर्ट को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्र में अवकाश घोषित किया हुआ है। आपदा प्रबंधन टीमों को संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है।

लगातार बारिश के चलते आम जन जीवन पूर्णतया अस्त व्यस्त हो गया है। बुधवार को भी लगातार बारिश के चलते हल्द्वानी रोड पर मलवा गिरा था लेकिन प्रशासन द्वारा तत्काल मलवा हटा दिया गया। इसके अलवा जहाँ पर भी भूस्खलन हो रहा है प्रशासन तत्काल मार्ग सुचारु कर दे रही है। मौसम विभाग द्वारा बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है। इस दौरान एडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी ने जानकारी दी है की मार्गो की स्थिति वर्तमान में जनपद नैनीताल में 03 राष्ट्रीय राज मार्ग, 03 राज्य मार्ग एवं 01ग्रामीण मार्ग बाधित हैं। भीमताल अंतर्गत अमजर, मिडार, पदमपुर, सुवाकोट, पोखरी, डालकनिया, अधौरा, दूनागिरी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित चल रही है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे नदियों, नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहें। प्रशासन पूर्ण रूप से सतर्क और मुस्तैद है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। भूस्खलन की कही पर भी कोई घटना होती है तो तत्काल वहा पर टीम पहुंच रही है और मार्ग सुचारु किया जा रहा है।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

15 अगस्त से पहले सराय सब्जी मंडी के झंडारोहण स्थल पर सौंदर्यीकरण की मांग

रामनगर

हमारे संवाददाता

राष्ट्रीय पर्वों पर सराय सब्जी मंडी में झंडा फहराने वाला स्थल इन दिनों बदहाल हालात में है, जिस पर दुकानदारों का सब्र अब टूट चुका है। हर साल की तरह इस बार भी 15 अगस्त से पहले व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से मांग की है कि झंडारोहण स्थल की मरम्मत और सौंदर्यकरण तुरंत कराया जाए, ताकि राष्ट्रीय पर्व गरिमापूर्ण ढंग से मनाया जा सके। सराय सब्जी मंडी और मछली बाजार क्षेत्र में पिछले 15 वर्षों से 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर स्थानीय व्यापारी और गणमान्य नागरिक मिलकर झंडा फहराते हैं। लेकिन इस बार चौराहे पर बने मंच की हालत जर्जर हो चुकी है। टाइल्स उखड़ चुकी हैं, जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं और टिन शेड भी जर्जर स्थिति में है, जिससे झंडारोहण की गरिमा को ठेस पहुंच रही है। दुकानदारों का कहना है कि नगर पालिका इस क्षेत्र से हर साल मुर्गा और मछली विक्रेताओं से लाइसेंस व तहबजारी के जरिए मोटा राजस्व वसूलती है, लेकिन जब बुनियादी सुविधाएं देने की बारी आती है तो जिम्मेदार आंखें मूंद लेते हैं। ऐसे में 15 अगस्त से पहले मंच का सौंदर्यकरण और मरम्मत करवाना नगर पालिका की जिम्मेदारी है। स्थानीय व्यापारी हाजी जुल्फिकार कुरैशी, जसपाल सिंह बिष्ट, सैफ अली, फैजान, मोहम्मद दानिश, नाजिम सैफी, जाकिर हुसैन, मोहम्मद इमरान, तस्लीम, मोहम्मद यासीन और एस हुसैन आदि ने नगर पालिका को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्यवाही की मांग की है। इस बीच नगर पालिका चेयरमैन हाजी मोहम्मद अकरम और अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल ने आश्वासन दिया है कि 15 अगस्त से पहले मंच का सौंदर्यकरण कराया जाएगा। अब देखना यह है कि क्या प्रशासन झंडे की शान बचाने के लिए समय रहते चौराहे की सूरत संवारता है या फिर हर साल की तरह इस बार भी केवल आश्वासन की डोरी थमाई जाएगी।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन रुद्रपुर में जारी,

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेसन, उत्तराखंड फुटबॉल एसोसिएशन व खेल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में रुद्रपुर स्थित मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम के शिवालिक हॉल में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन का आयोजित फुटसाल चैंपियनशिप 2024-25 का आयोजन जारी है। यह प्रतियोगिता 3 अगस्त से आरंभ हुई है।समापन 18 अगस्त को फाइनल मैच के साथ किया जाएगा। चैंपियनशिप में देशभर से 17 टीमों ने भाग लिया है, जो एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। मंगलवार को विशेष अवसर पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने आयोजन स्थल पर पहुंचकर अफंयेमी फुटबॉल क्लब बनाम मिनरवा फुटबॉल क्लब के बीच आयोजित रोमांचक मुकाबले का आंनद लिया। डीएम ने दोनों टीमों के

खिलाड़ियों से औपचारिक परिचय किया और उन्हें शुभकामनाएं देते हुए खिलाड़ियों के खेल कौशल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डीएम ने कहा कि इस प्रकार की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं युवाओं को न केवल खेलों की ओर प्रेरित करती हैं, बल्कि राज्य की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर मंच भी प्रदान करती हैं। उन्होंने आयोजन समिति को उत्कृष्ट व्यवस्था हेतु बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने की बात कही।प्रतियोगिता न केवल रुद्रपुर के खेल परिदृश्य को एक नई पहचान दे रही है, बल्कि स्थानीय खेलप्रेमियों के लिए भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आनंद उठाने का दुर्लभ अवसर प्रदान कर रही है।

इस दौरान एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम मनीष बिष्ट, महासचिव राज्य ओलम्पिक संघ डॉ डीके सिंह, सचिव उत्तराखंड फुटबॉल एसोसिएशन अख्तर अली, जिला क्रीड़ाधिकारी जानकी कार्की आदि मौजूद रहे।

अभिमत

जर्जर स्कूल

जर्जर हालत के स्कूल भवनों में बच्चों को किसी भी सूरत में नहीं बैठाया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग के अनुसार राज्य में 1172 स्कूल भवन संवेदनशील श्रेणी के हैं और सुरक्षित नहीं हैं। पिछले साल किये गये सर्वे में स्कूल के भवनों को ए से डी श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया था। 16 हजार से अधिक स्कूल भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से सर्वे किया गया था। ए श्रेणी के स्कूल पूरी तरह सुरक्षित थे। बी से डी श्रेणी तक के भवन संतोषजनक नहीं पाये गये थे। डी श्रेणी के भवन पूरी तरह असुरक्षित हैं। एक साल बीतने के बाद भी स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं।

उत्तराखंड में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी स्कूल भवनों का सुरक्षा ऑडिट करने के निर्देश दिये हैं। जर्जर हालत के स्कूल भवनों में बच्चों को किसी भी सूरत में नहीं बैठाया जाना चाहिए। शिक्षा विभाग के अनुसार राज्य में 1172 स्कूल भवन संवेदनशील श्रेणी के हैं और सुरक्षित नहीं हैं। पिछले साल किये गये सर्वे में स्कूल के भवनों को ए से डी श्रेणी में सूचीबद्ध किया गया था। 16 हजार से अधिक स्कूल भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से सर्वे किया गया था। ए श्रेणी के स्कूल पूरी तरह सुरक्षित थे। बी से डी श्रेणी तक के भवन संतोषजनक नहीं पाये गये थे। डी श्रेणी के भवन पूरी तरह असुरक्षित हैं। एक साल बीतने के बाद भी स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं। बरसात के मौसम में जर्जर भवनों के ढहने की आशंका अधिक होती है। राजस्थान में एक स्कूल भवन के गिरने से सात बच्चों की मौत हो गई और अनेक घायल हो गये। इसके बाद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को अपने राज्य के स्कूल भवनों की याद आई। हालांकि उत्तराखंड के बागेश्वर में वर्ष 2010 के अगस्त माह में स्कूल भवन गिरने से कई बच्चों की दबकर मृत्यु हो गई थी। उसके बाद भी राज्य से सभी स्कूलों के भवनों को पूरी तरह सुरक्षित करने के लिए कदम नहीं उठाये गये। बरसात के मौसम में जब हादसा होता है, तो बयानबाजी और कागजी कार्रवाई करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। सुदूर पर्वतीय क्षेत्र के बहुत से सरकारी स्कूल एक अथवा दो कमरों के हैं। प्राथमिक स्कूल में एक ही कमरे में कक्षा पांच तक के सभी बच्चों को बैठाकर पढ़ाया जाता है। बरसात नहीं होने पर भवन के बाहर सर्दी में बैठाया जाता है। पर्वतीय क्षेत्र में एकल शिक्षक विद्यालयों में बच्चों को पढ़ाने की औपचारिकता निभाई जाती है। एक शिक्षक अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों को एक साथ पढ़ाता है। कम छात्र संख्या के स्कूलों का किसी एक विद्यालय में विलय करने की कवायद सफल नहीं हो सकी है। विलय किये जाने वाले स्कूलों के बच्चों को दूर तक जाना पड़ता है। सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों को मुफ्त में पठन-पाठन की सामग्री, ड्रेस, दोपहर का भोजन तथा अन्य सुविधाएं जरूर मिलती हैं, परन्तु शिक्षण की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने से बच्चों की संख्या कम रहती है। मुख्यमंत्री ने जर्जर भवन के पुनर्निर्माण के बारे में स्पष्ट नहीं किया है।

महापौर ने श्रमिकों की पीड़ा पर जताई चिंता

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

सिडकुल की एक कंपनी से निकाले गए श्रमिकों के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को नगर निगम कार्यालय पहुंचकर महापौर विकास शर्मा से मुलाकात की और अपनी व्यथा सुनाई । श्रमिकों ने कंपनी प्रबंधन पर श्रम कानूनों के उल्लंघन और श्रमिकों के शोषण का आरोप लगाया। श्रमिकों ने महापौर को अवगत कराया कि वह सिडकुल के सेक्टर 11 में स्थित एक कंपनी में कार्यरत थे। वर्ष 2017 में कंपनी के बंद होने के बाद उसका अधिग्रहण जसमित डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया। जिसमें नियमानुसार सभी पूर्व श्रमिकों को कार्य पर बनाए रखने का आश्वासन दिया गया था। कंपनी में वर्षों से मेंटेनेंस का कार्य चल रहा था। अब जबकि प्लांट दोबारा शुरू हो चुका है, प्रबंधन पुराने करीब 100 श्रमिकों को दरकिनार कर नए श्रमिकों की भर्ती कर रहा है। श्रम विभाग से शिकायत की गई, जिस पर उप श्रमायुक्त ने फैक्ट्री प्रबंधन को समझौता वार्ता के लिए बुलाया।परंतु दोनों ही बार कंपनी प्रबंधन नहीं पहुंचा। इसके बावजूद विभाग की ओर से अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। रोजगार छिनने से श्रमिकों के समक्ष आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। महापौर ने उप श्रमायुक्त अरविंद सैनी से दूरभाष पर वार्ता की। उन्होंने मामले में हस्तक्षेप कर श्रमिकों को न्याय दिलाने को कहा। महापौर ने कहा कि फैक्ट्री प्रबंधन की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, श्रमिकों को उनका हक मिलना ही चाहिए।

एएलसी अरविंद सैनी ने श्रमिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि मामले में शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले भी समझौता का प्रयास किया गया था,एक बार फिर 8 अगस्त को वार्ता के लिए प्रबंधन को बुलाया गया है। इस दौरान मदन शर्मा, दिनेश कुमार, राकेश गंगवार, बुद्धसेन, हीरा लाल सागर, उपेंद्र राय, प्रदीप आदि श्रमिक मौजूद रहे।

गांजा के साथ पकड़े गए आरोपी को दी जमानत

नैनीताल । हाईकोर्ट ने अल्मोड़ा में गांजा के साथ पकड़े गए आरोपी की जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद उसे जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई।

मामले के अनुसार दिलशाद हसन और आसिफ के खिलाफ 26 दिसंबर 2024 को पुलिस थाना भतरौजखान जिला अल्मोड़ा में एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8/200 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से उन्हें जमानत पर रिहा करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि प्रतिबंधित पदार्थ (गांजा) की व्यावसायिक मात्रा 20 किलोग्राम है। जहां तक संयुक्त बरामदगी का संबंध है जिस वाहन में आरोपी यात्रा कर रहे थे उसमें 15.435 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ बरामद होना दर्शाया गया था। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि वह 24 दिसंबर व दूसरा 27 दिसंबर 2024 से हिरासत में हैं और उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि दिखाई गई बरामदगी व्यावसायिक मात्रा से कम है।

दिवंगत युवा नेता बंटी कोली के जन्म दिन पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

रम्पुरा निवासी दिवंगत युवा नेता स्व. बंटी कोली के जन्म दिन पर मंगलवार को राजकीय ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और अन्य लोगों ने रक्तदान कर युवा नेता बंटी कोली कोली को श्रद्धांजलि अर्पित की।

शिविर में महापौर विकास शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, पूर्व मेयर रामपाल सिंह समेत अन्य लोगों ने बंटी कोली को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके समाज सेवा के कार्यों को याद किया। रक्तदान शिविर में दर्जनों युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर स्व. बंटी कोली को सच्ची श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में महापौर विकास शर्मा ने स्व. बंटी कोली को पुष्प अर्पित किए और उन्हें याद करते हुए कहा कि बंटी कोली का स्वभाव बेहद विनम्र और व्यवहार कुशल था। उन्होंने समाज सेवा के साथ-साथ भाजपा युवा मोर्चा में रहते हुए संगठन को मजबूत करने का कार्य किया। वह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत थे। रक्तदान को यूं ही महादान नहीं कहा जाता। यह किसी अनजानी जिंदगी को नया जीवन देने का माध्यम बनता है।

पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा कि बंटी कोली न सिर्फ युवाओं के बीच लोकप्रिय थे, बल्कि समाज सेवा के लिए सदैव अग्रणी रहते थे। उन्होंने कहा एक दुखद हादसे में हमने एक होनहार, ऊर्जावान और समर्पित साथी को खो दिया, लेकिन आज भी उनकी स्मृति हम सबके दिलों में जीवित है। ठुकराल ने कहा कि बंटी कोली की याद में आयोजित यह रक्तदान शिविर समाज के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। रक्तदान एक पुनीत कार्य है और इससे किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है।

इस अवसर पर संजय ठुकराल, अजय नारायण सिंह, लखवीर सिंह लक्खा,सुखवंत सिंह, ललित बिष्ट, आनंद शर्मा, सुनील चुघ, फुदेना साहनी, राजू गुप्ता, कमल सैनी, जावेद अख्तर, प्रकाश गुप्ता, अनिल खत्री, गौरव खुराना, रामकुमार, सौरभ शर्मा,शिव कुमार शिब्बू आदि मौजूद रहे।

फिल्मी दुनिया

महज 33 की उम्र में वॉकिंग डेड फेम एक्ट्रेस केली मैक का निधन

अभिनेत्री केली मैक का निधन हो गया है। उनकी उम्र महज 33 वर्ष थी। द वॉकिंग डेड और शिकागो मेड जैसे प्रोजेक्ट्स में काम के जरिए उन्होंने दर्शकों के बीच लोकप्रियता बटोरी। केली के निधन की खबर से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में शोक की लहर है। केली मैक का निधन शनिवार 02 अगस्त को हुआ। उन्होंने अपने जन्मस्थान सिनसिनाटी में आखिरी सांस ली। डेडलाइन के रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री केली मैक ग्लियोमा से जूझ रही थीं। केली के निधन की पुष्टि उनकी बहन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए की है। पोस्ट में उन्होंने लिखा है, बहुत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी प्यारी केली का निधन हो गया है। एक चमकता सितारा इस दुनिया से उस पार चला गया, जहां अंतत: हम सभी को जाना ही होगा ।

अभिनेत्री होने का साथ-साथ केली एक उम्मदा स्क्रीनराइटर भी थीं। उन्होंने अपनी मां क्रिस्टन क्लेबेनो के साथ मिलकर काम किया। दोनों ने मिलकर कई फीचर-लेंथ स्क्रिप्ट्स लिखीं, जिनमें ऑन द ब्लैक भी शामिल है, जो 1950 के दशक की कॉलेज-बेसबॉल कहानी है। यह कहानी उनके नाना-नानी के ओहायो विश्वविद्यालय में बिताए समय से प्रेरित है।

बीते महीने मनाया 33वां जन्मदिन

केली का जन्म 10 जुलाई 1992 को हुआ। इसी साल बीते महीने उन्होंने अपना 33वां जन्मदिन मनाया। केली ने कम उम्र में ही अभिनय की दुनिया में दस्तक दे दी थी। उनके निधन की खबर से फैंस को स्तब्ध हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

महापौर ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का लिया जायजा

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

महापौर विकास शर्मा ने बुधवार को संजय नगर खेड़ा, जगतपुरा,मुखर्जी नगर सहित अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर हालातों का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ नगर आयुक्त नरेश दुर्गापाल सहित नगर निगम की पूरी टीम और सिचाई विभाग की टीम भी मौजूद रही। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव सहायता पहुंचाई जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए।

जलभराव से प्रभावित क्षेत्रें में पैदल भ्रमण कर लोगों से मुलाकात की इसके साथ ही उन्होंने ट्रैक्टर से भी जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविरों में भी प्रभावित लोगों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। उन्होंने प्रभावित नागरिकों को भरोसा दिलाया कि नगर निगम हर संभव सहायता के लिए तत्पर है और राहत व बचाव कार्यों में पूरी सक्रियता के साथ जुटाकहा कि जलभराव से निपटने के लिए नगर निगम की चार टीमें लगाई गयी हैं। जो लोगों को जलभराव से निजात दिलाने के प्रयास में लगातार जुटी हैं। जो नाले किसी कारणवश बंद हो गये हैं, उन्हें खोलने की कार्रवाई लगातार की जा रही है।तीन स्थानों पर राहत कैम्प लगाए गए है। जहाँ पर भोजन आदि की व्यस्था भी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि कल्याणी नदी पर हो रहे अतिक्रमण के चलते हर वर्ष जलभराव की स्थिति उत्पन्न होती है। प्रशासन द्वारा पूर्व में चिन्हीकरण कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जानी थी, लेकिन स्थानीय निवासियों के अनुरोध पर कुछ समय के लिए राहत दी गई थी।

महापौर ने कहा कि नगर निगम कल्याणी नदी को उसके मूल स्वरूप में लाने की योजना तैयार की जा रही है। शासन से स्वीकृति मिलते ही इस योजना पर अमल शुरू कर दिया जाएगा। इसके साथ ही कहा कि अब समय आ गया है, कुछ अतिक्रमणकारियों के हित में पूरे क्षेत्र की जनता को बार-बार होने वाली समस्या से मुक्त किया जाए। आने वाले समय में नगर निगम अतिक्रमण हटाने की ठोस कार्रवाई करेगा। ताकि भविष्य में जलभराव और बाढ़ की समस्या से स्थायी रूप से निजात मिल सके। उनके साथ निगम के अधिकारियों समेत तहसीलदार मौजूद रहे।

News कॉर्नर

आपदा प्रबंधन टीमों को संवेदनशील इलाकों में तैनात किया

नैनीताल। लगातर तेज बारिश के चलते जिले की नदियों और नालों का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। हालात को देखते हुए प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रखा है और आपदा प्रबंधन टीमों को संवेदनशील इलाकों में तैनात किया गया है। इस जिलाधिकारी वंदना सिंह ने कहा आपदा को देखते हुए सारी मशीनरी अलर्ट मोड पर है। सबंधित विभाग के अधिकारियो को जगह जगह तैनात किया गया है। भूस्खलन की कही पर भी कोई घटना होती है तो तत्काल वहा पर टीम पहुंच रही है और मार्ग सुचारु किया जा रहा है।

अखिल एकता की दो दिवसीय केंद्रीय प्रतिनिधि मण्डल की बैठक सम्पन्न

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

व्यापारी संगठन अखिल एकता उद्योग व्यापार मण्डल संगठन की बैठक आभा होटल अयोध्या मे सम्पन्न हुई इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव जायसवाल ने किया वही 21 राज्यों से आये प्रतिनिधि गणों का स्वागत उत्तरप्रदेश के यसस्वी प्रदेश अध्यक्ष प्रतीक भज्जा वैश्य ने किया इस बैठक का उदघाटन भामाशाह जी व भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर बैठक का शुभारम्भ किया, बैठक मे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव जायसवाल ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर उन्हें संगठन के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए बिंदुवार चर्चा की, एवं आगामी कार्यक्रम रक्षाबंधन पर्व, जिलों व मण्डल स्तर पर व्यापारी चौपाल, जिलों व मंडलो के गठन, व्यापारी संपर्क अभियान, जिलों मे शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम, एवं व्यापारी बंधुवो की समस्या पर प्रस्ताव बनाने पर वृहद चर्चा की गई, बैठक मे व्यापारी हित के लिए 24 बिंदुवो के प्रस्ताव पारित किये गए जिसमे सभी नवनियुक्त पदाधिकारी गणों ने अपनी सहमति दिखाई,बैठक मे सभी नवनियुक्त केंद्रीय पदाधिकारी एवं अयोध्या जिले के नवनियुक्त पदाधिकारी को शपथ दिलाया गया जिन केंद्रीय पदाधिकारी बंधुवो की घोषणा की गई केंद्रीय संरक्षक डॉ दिनेश उपाध्याय, राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव जायसवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अतुल गुप्ता उत्तराखंड, अनिल जायसवाल गुजरात, अशोक नागोरी कर्नाटक, करन सिंह यादव दिल्ली, प्रवीण भंडारी महाराष्ट्र केंद्रीय महासचिव श्री सतीश चंद्र तमिलनाडु, आर्यन शुक्ला उत्तरप्रदेश, राष्ट्रीय संगठन महासचिव, सुरेश शर्मा, केंद्रीय प्रचार प्रमुख अम्बिका, राष्ट्रीय सचिव डॉ केदार, राखी जायसवाल, राम लखन विश्वकर्मा, राजकुमार, कोषाध्यक्ष अमर सोनी, राष्ट्रीय युवा प्रभारी हितेश कलाल राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष नीरज सिंह मध्यप्रदेश,राष्ट्रीय महिला कार्यकारिणी अध्यक्ष रेखा पटेल मध्यप्रदेश, महासचिव पूजा सिंह, उपाध्यक्ष दिफ्ती चुफाल, उत्तराखंड डॉ नीतू राठौड़, कर्नाटक साइका मंजूर कश्मीर, आईटी विमल पांडेय, कार्यकारिणी सदस्य महेश कुमार,जबकि अभी दर्जनों पदाधिकारी के नाम फाइनल किये जा चुके है बस घोषणा होना होनी है बैठक मे उपस्थिति महंत जय राम दास जी महाराज, श्याम सुन्दर दास जी, कैलाश बाई राठौड़ छत्तीसगढ़, राम मिलन गौड़, चंडीगढ़ आशा मिश्रा, रोहित रावत, पीडी गुप्ता, सुखविंदर सिंह पंजाब, वर्षा आर्या, नेहा पंखुड़ी, मुकेश पाठक, सुजीत मिश्रा, प्रीति गौड़, मनीष मौर्या,अमित श्रीवास्तव, राजेश गौड़, रोहित त्रिपाठी, आदि उपस्थित रहे.

लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नैनीताल

हमारे संवाददाता

बीते तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश से नैनीताल समेत आस पास के क्षेत्रों का आम जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो चुका है। लगातार बारिश के चलते सोमवार देर शाम करीब 6 बजे बल्दियाखान हनुमान मंदिर के पास अचानक पहाड़ी से भारी मलवा सडक़ पर आ गया जिससे नैनीताल-हल्द्वानी मोटर मार्ग पूर्णत- बाधित हो गया। जिस कारण नैनीताल और हल्द्वानी की ओर आने जाने वाले यात्री रास्ते में फंस गए जिससे शहर तक लंबा जाम लग गया।

बता दें भूस्खलन की सूचना प्राप्त होने पर मौके पर जिला प्रशासन की टीम ने निरिक्षण किया और मौके पर दो जेसीबी मशीने में लगाकर देर रात तक मलवा हटाने का कार्य किया। मंगलवार सुबह से ही मार्ग से जेसीबी के माध्यम से मलवा हटाने का कार्य किया गया जो दोपहर तक चला उसके बाद मार्ग में यातायात सुचारू हो गया। दूसरी ओर नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग में सडक़ किनारे पार्क विजय कुमार पिकअप संखया यूके0 04 सीए -2745 पर बड़े छोटे बोल्डर गिर गए। विजय ने बताया कि मंडी में सबजी लेकर पिकअप वाहन से आ रहे थे। ट्रैफिक जाम के चलते अपना वाहन सडक़ किनारे खड़ी कर दी। कुछ ही देर में ऊपर पहाड़ी से अचानक भारी मात्रा में मलवा नीचे गिरा जिसकी चपेट में आकर पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी, गनीमत रही कि हादसे के समय चालक वाहन से बाहर था जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। दूसरी ओर एसडीएम नवाजिश खलीक ने बताया कि हल्द्वानी मोटर मार्ग पर दो जेसीबी मशीनों की सहायता से मलवा हटाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मंगलवार की सुबह से मशीने लगातार कार्य कर रही है। मौके पर जाकर स्वयं भी निरिक्षण किया है,जिसके बाद मलवा हटाकर आवश्यक सेवाओ के वाहनों की आवाजाही सुचारु की गई है। बताया की डीएम वंदना सिंह के द्वारा भी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है जिससे और अधिक भूस्खलन की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे मौसम की गंभीरता को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें और सुरक्षित मार्गों का ही चयन करें। इस मौके पर एडीएम विवेक राय ने भी नैनीताल हल्द्वानी मोटर मार्ग पर हुए भूस्खलन पर हो रहें कार्यों का निरीक्षण किया।

नैनीताल । जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र नैनीताल से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार की शाम को 6 बजे तक जिले के 9 मोटर मार्ग (एक राज्य मार्ग,एक प्रमुख जिला मार्ग व सात ग्रामीण मार्ग) बारिश से आए भूस्खलन की वजह से यातायात के लिए बंद पड़े हैं जिन्हें खोलने के लिए जेसीबी मशीनें लगायी गयी हैं। बंद मोटर मार्गो में अमगढ़-पाटकोट, कांडा-डौन परेवा, तल्ला रामगढ़-रातीघाट, भवाली-धानाचूली, बसगांव-जनौली-सकदीना, डालकन्या-पांगकटारा-खलाड़, फतेहपुर-बेल तथा खैरना-ओड़ाबासकोट-बेतालघाट मोटर मार्ग शामिल हैं।

डीएम ने दिए एसडीएम और नगर आयुक्तों को अपने अपने क्षेत्र में अलर्ट मोड़ रहने के निर्देश

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

निर्देश

- **नदी नालों पर नजर रखे और अवरुद्ध हो तो खुलवाएं**
- **कोई अधिकारी या कर्मचारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा**

पर्वतीय क्षेत्रों व जनपद में लगातार हो रही वर्षा को देखते हुए जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने वर्चुअल माध्यम से सभी उप जिलाधिकारियों व नगर आयुक्तो के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अलर्ट मोड में रहते हुए पैनी नजर रखने के निर्देश दिये।

डीएम ने अधिकारियों को अपने क्षेत्र के नदी, नालों पर नजर रखते हुए यदि कोई नदी नाला अवरूद्ध है तो उसे तुरन्त खुलवाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि एसडीएम, नगर आयुक्त अपने क्षेत्र से लगे क्षेत्र के अधिकारियों से निरंतर संवाद करें व वर्षा आदि के बारे में जानकारिया त्वरित आदान-प्रदान करें। उन्होने निर्देश दिये कि क्षेत्र के युवा मंगल दलों, आपदा मित्रों, स्वयं सेवी संस्थाओं से भी वार्ता कर उनको भी अलर्ट मोड़ में रखे।आपदा बचाव उपकरणों व जेसीबी को भी तैयार रखें। ताकि किसी प्रकार की आपदा, जल भराव के समय जरूरत पड़ने पर तुरन्त कार्यवाही की जा सकें।

डीएम ने निर्देश दिये कि सभी अधिकारी/कर्मचारी अपने फोन खुला रखेगें तथा अपने मुख्यालय में ही तैनात रहेगें। इस दौरान सीडीओ दिवेश शाशनी, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम गौरव पाण्डेय, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी सहित सभी एसडीएम व नगर आयुक्त वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

लगातार हो रही बारिश से रुद्रपुर की कल्याणी नदी उफान पर

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के बीच रुद्रपुर की कल्याणी नदी फिर उफना गई है। सैकड़ों घरों में पानी भर चुका है ।लोग सहमें हुए हैं। राहत बचाव के काम भी शुरू हो चुके हैं। वहीं दूसरी चिन्हित अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई न होने से सिस्टम पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

रुद्रपुर समेत आस पास के क्षेत्र में पिछले 48 घंटों से लगातार बारिश होने के बाद बुधवार को कल्याणी नदी ने अपना रुप दिखाना शुरू कर दिया है। शहर के बीचों-बीच से गुजर रही नदी जगतपुरा से लेकर पहाड़गंज, शांति कालोनी तक के लोगों का डरा रही है। जगतपुरा के मुखर्जीनगर, शिवनगर, आवास विकास, खेड़ा, भूतबंगला, रम्पुरा समेत कई क्षेत्रों में लोगों के घरों में पानी भर चुका है ।कई जगह की सड़कों पर पानी तेज रफ्तार से वह रहा है। समाजसेवी सुशील गाबा समेत कई लोग जागरूक करने के साथ ही सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहे हैं।

इधर रुद्रपुर में कल्याणी नहीं कहर को लेकर प्रशासन की लापरवाही खुलकर समाने आई है। 2022 में शहर में जब कल्याणी नदी ने पूरे शहर को डुबो दिया था,तभी से नदी के किनारे पर हुए अतिक्रमणकारियों को इसके लिए जिम्मेदार माना गया था। प्रशासन की तरफ से हर बार अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर उन्हें हटाने की बात कही जाती है, लेकिन राजनीतिक दबाव में प्रशासन हर बार चिन्हिकरण की फाइल दब कर रह जाती है,जिसका खामियाजा पूरे शहर को भूगतान पड़ रहा है। डीएम के निर्देश पर जल भराव क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकारी नजर रखे हुए हैं।

बस की टक्कर से बाइक सवार बैंक कर्मी की मौत

भवाली। भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर क्वारब के पास बस की टक्कर से बाइक सवार बैंक कर्मी की मौत हो गई। वह खैरना स्थित अल्मोड़ा अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के काम से अल्मोड़ा की तरफ जा रहे थे।

भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर क्वारब के पास बस की टक्कर से बाइक सवार बैंक कर्मी की मौत हो गई। वह खैरना स्थित अल्मोड़ा अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के काम से अल्मोड़ा की तरफ जा रहे थे।

एस टी एच में बाहरी दवाओं पर लगेगी रोक

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय, हल्द्वानी में भर्ती मरीजों को बाहर की महंगी दवाएं थमाने का खेल अब डॉक्टरों को भारी पड़ सकता है। गरीबों के इलाज को जेब काटने का जरिया बनाने वालों पर अब

अस्पताल प्रशासन ने नकेल कस दी है। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. अरुण जोशी ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है ड्ड अब बाहर की दवाएं लिखी, तो सीधी कार्रवाई होगी! और इसके लिए संबंधित विभागाध्यक्ष और चिकित्सक जिम्मेदार होंगे। प्राचार्य कार्यालय से जारी पत्र में कहा गया है, यह गैर-जिम्मेदाराना और अमानवीय व्यवहार है। इससे मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी क्लीनिकल विभागों को निर्देश दिया गया है कि ह्क्ष्ठ और ड्ढक्ष्ठ में इलाज के दौरान केवल अस्पताल में उपलब्ध चिन्हित जैनरिक दवाएं ही मरीजों को लिखी जाएं। आदेश में यह भी साफ किया गया है कि यदि भविष्य में इस आदेश का उल्लंघन हुआ तो विभागाध्यक्ष और संबंधित डॉक्टर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है। कोई माफी नहीं, कोई बहाना नहीं।

अभिभावकों और शिक्षकों के लिए एक दिनी कार्यशाला का आयोजन

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल हल्द्वानी में आज 'सर्वांगीण शिक्षा में खेल का महत्त्व' विषय पर अभिभावकों तथा शिक्षकों के लिए एक दिनी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि पर डा.मानसी पाण्डेय (कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी लंदन)तथा पूर्व आई आई टी यन तथा विविया बिजनेस कंसलटेंसी के संस्थापक विवेक पाण्डेय रहे. कार्यशाला के दौरान मानसी पाण्डेय ने बताया कि सीखने का सबसे अच्छा माध्यम खेल है तथा बच्चों को प्रारम्भ से ही किसी न किसी खेल से जोड़ना जरुरी होता है, उन्होंने बताया की एक बच्चे के दिमाग का 90 प्रतिशत विकास 5 वर्ष की आयु तक हो चुका होता है खेल के माध्यम से एकाग्रता, टीम भावना, भावनाओं पर नियंत्रण जैसी कार्य कुशलता हासिल की जा सकती है जो एक सफल जीवन के लिए जरुरी है. अपने उद्बोधन में विवेक पाण्डेय ने बताया कि खेल को पढाई की कीमत पर नहीं करना है लेकिन अच्छी पढाई के लिए किसी न किसी खेल से जुड़ना जरुरी है। उन्होंने बच्चो के स्क्रीन समय को कम करने के लिए खेल और उसमें भी विशेष तौर पर फुटबाल को अपनाने पर जोर दिया। प्रधानाचार्य डा प्रवीन्द्र कुमार रौतेला ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों को धन्यबाद देते हुए कहा कि आज के बच्चों के अंदर संघर्ष करने की लालसा पैदा करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य है तथा खेल के माध्यम से ऐसा किया जा सकता है। आई डी जोशी, रितु उपाध्याय, धनेश्वरी बुधौरी, अपर्णा, मनीषा जोशी, बी सी सती, जे एस नेगी आदि ने कार्यशाला के दौरान सम्यक प्रश्न पूछ कर बच्चो के मानसिक विकास में खेल और पढाई को लेकर विभिन्न प्रश्न भी पूछे. इस कार्यशाला के दौरान सहायक ?फ़ सी के फुटबाल कोच चार्ली पोमराय, बोर्ड सदस्य एवं निदेशक संजय सिंदे, श्रेष्ठ पाण्डेय, रोहित जोशी,महेश जोशी, अकेडमिक कोर्डिनेटर बी बी जोशी, अनिका वर्मा, कोच एस एस कपकोटी, लीला रावत,कोर्डिनेटर प्रदीप मित्रा, पुष्कर सिंह राजपूत,नीमा पाण्डेय, मंजू जोशी समेत बड़ी संख्या में, अभिभावक व शिक्षक उपस्थित रहे. कार्यक्रम का सञ्चालन दीपक जोशी ने किया।